वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, □□□

तृतीय वर्ष बी. ए. -- Revised

हिंदी भाषा क□□□

सेमिस्टर – V

(2017 – 2018, 2018 – 2019 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 5. हिंदी भाषा कौशल - मिस्टर अभिमन्यु : (अनिवार्य)

Foundation Course – 05(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक – 1. मिस्टर अभिमन्यु – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

□□□□ – 1.

□□. लक्ष्मीनारायण लाल का सामान्य परिचय, नाटक के तत्व और प्रकार,
'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक□ □□ □□□□□, 'मिस्टर अभिमन्यु' में चित्रित आधुनिक समस्या।

□□□□ – 2.

'मिस्टर अभिमन्यु' के मुख्य एवम् गौण पात्र, 'मिस्टर अभिमन्यु' में संव□□ □□□□□,
'मिस्टर अभिमन्यु' में देशकाल और वातावरण, शीर्षक एवम् उद्देश्य,
'मिस्टर अभिमन्यु' की भाषा - □□□, □

□□□□ – 3.

व्युत्पत्ति एवम् रचना की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण : रूढ़, यौगिक, योगरूढ़,
□□□□□□ □□□ □□□□□□□, कारक और विभक्ति का सामान्य परिचय ।

□□□□ – 4.

हिंदी शब्द भण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी शब्दों का सामान्य परिचय।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित नाटक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)
प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण – ड□. उमेशचन्द्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
3. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
4. प्रयोग और प्रयोग – व□. □□. जगन्नाथन
5. आधुनिक नाट्य और नाटक – कुँवरजी अग्रवाल
6. हिंदी नाटक : उ□ □ – □□ □□. □□□□ □□□□
7. हिंदी नाटक : उ□□□ □□. □□□□ □□□□
8. हिंदी नाटक – □□□ : □□. □□□□ □□□
9. हिंदी नाटक – □□. बच्चन सिंह

==

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, □□□

तृतीय वर्ष बी. ए. -- Revised

हिंदी : सेमिस्टर – V

(2016 – 2017, 2017 – 2018, 2018 – 2019 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 11. A. मध्य युगीन कविता – □□, □□□□ : Core Course – 11

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

1. □□□□□ – भ्रमरगीत सार (श्रीकृष्ण का वचन उद्धव के प्रति)
2. □□□□□□□ – अयोध्याकाण्ड

पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन कविता का पाठ – सम्पादक : □. त्रिभुवननाथ शुक्ल

(जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ 1.

‘भ्रमरगीत’ में वर्णित गोपियों का विरह-वर्णन, ‘भ्रमरगीत’ में गोपियों का चरित्र-चित्रण,
‘भ्रमरगीत’ में वर्णित निर्गुण पर सगुण की विजय, ‘भ्रमरगीत’ में उद्धव का चित्रण।

□□□□ 2.

रामचरितमानस के ‘अयोध्याकाण्ड’ की कथावस्तु,
‘अयोध्याकाण्ड’ के पात्र : मुख्य एवम् गौण पात्र , श्रीराम, लक्ष्मण, □□□, □□□□,
□□□□, □□□□□□□□, □□□□, आदि । ‘अयोध्याकाण्ड’ का □□□-पक्ष एवम् कला-पक्ष।

□□□□ 3.

□□□ - भक्ति धारा की लाक्षणिकताएँ, भ्रमरगीत में श्रीकृष्ण का उद्धव के प्रति वचन,
‘भ्रमरगीत’ में कुब्जा, ‘भ्रमरगीत’ में संवाद, ‘भ्रमरगीत’ की भाषा ।

□□□□ 4.

‘अयोध्याकाण्ड’ में तुलसीदास की गीति योजना, ‘अयोध्याकाण्ड’ में तुलसीदास की भक्ति भावना,
‘अयोध्याकाण्ड’ में तुलसीदास की भाषा, ‘अयोध्याकाण्ड’ शीर्षक की सार्थकता।

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित कविताओं से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)
प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. भक्ति काव्य का समाजशास्त्र – प्रेमशंकर
2. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
3. □□□□□ - हरबंसलाल शर्मा
4. □□– साहित्य – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. □□□□□□ □□□□□ – □□□□□□□□□□□
6. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
8. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र

==

□□□□

प्रश्नपत्र – 11. B . मध्य युगीन कविता – □□□□, □□□□□ : Core Course – 11

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

1. □□□□ □□□□□
2. □□□□□ - □□□□□□ – वियोग खण्ड

पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन कविता का पाठ – सम्पादक : □□. त्रिभुवननाथ शुक्ल

(जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ 1.

कबीर की भक्ति भावना, कबीर के सबद में विषय- वैविध्य, कबीर काव्य का कला पक्ष |

□□□□ 2.

'पद्मावत' की कथावस्तु , 'पद्मावत' में नागमती का विरह वर्णन ,
'□□□□□□ – वियोग खण्ड' में पद्मावती का सन्देश |

□□□□ 3.

निर्गुण भक्ति धारा की प्रमुख विशेषताएँ, भक्ति काल साहित्य का स्वर्ण युग |

□□□□ 4.

□□□□ □□□□□, कबीर के अनुसार गुरू का महत्त्व, कबीर की उ□□□□□□□□□□, कबीर की भाषा शैली |
'□□□□□□ – वियोग खण्ड' में प्रकृति – चित्रण, जायसी की भाषा |

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित कविताओं से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तक :

1. भक्ति काव्य का समाजशास्त्र – प्रेमशंकर
2. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
3. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
6. भक्ति और रीतिकालीन हिंदी मुक्तक काव्य – जितेन्द्र पाठक
7. जायसी का पद्मावत – □□. गोविन्द त्रिगुणात्मक
8. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य – डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव

==========

प्रश्नपत्र – 12. A. गद्य – □□□□□□: गद्य विविधा Core Course – 12

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : गद्य – □□□□□□ – □□. नागेश्वर सिंह , डॉ. माया प्रसाद (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

साहित्य की महत्ता – महावीर प्रसाद द्विवेदी , लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल ,
□□ □□ □□□□,□□□□□□ – □□□ □□□□ |

□□□□ – 2.

देवदारु - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी , ठकुरी □□□□ – महादेवी वर्मा ,
जमुना की तीरे-ती□□ – विद्यानिवास मिश्र |

□□□□ – 3.

साहित्य और जीवन – नन्ददुलारे वाजपेयी, हिंदी भूषण बाबू शिवपूजन सहाय – रामविलास शर्मा,
□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ – धर्मवीर भारती |

□□□□ – 4.

चरित्र का मानदण्ड – वासुदेव शरण अग्रवाल , दिवस का महाकाव्य – □□□□□□□ □□□
श्रीमान का स्वागत – बालमुकुन्द गुप्त ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी निबंध – गोविन्दलाल छाबड़ा
2. हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि – राधेमोहन शर्मा
3. हिंदी का आधुनिक यात्रा-साहित्य – डॉ. प्रतापलाल शर्मा
4. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना – डॉ. आभा भट्ट
5. श्री रामवृक्ष बेनीपुरी – डॉ. रामविलास शर्मा
6. प्रेमचंद : □□ □□□□□□ – □□. इन्द्रनाथ मदान

==========

□□□□

प्रश्नपत्र – 12. B. गद्य – □□□□□□: गद्य प्रभा Core Course – 12

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : गद्य – प्रभा – □□. आलोक गुप्त (राजपाल एन्ड संस , दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

हुएन - □□ - रामचंद्र शुक्ल, जीवन का व्यवसाय - महादेवी वर्मा, सुख – काशीनाथ सिंह |

□□□□ – 2.

त्यागमूर्ति निराला – शिवपूजन □□□□ , □□□□ □□ □□□ - □□. □□. □. विश्वनाथ अय्यर

नदिया गहरी नव पुरानी - अमृत□□□□ □□□□ |

□□□□ – 3.

भारतीय संस्कृति – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद , फणीश्वर नाथ रेणु – नागार्जुन ,

□□□□□□□□ □□□□□ – हरिशंकर परसाई |

□□□□ – 4.

विचारों के सम्मुख एक नई समस्या – आचार्य नरेन्द्र देव

जौनपुर का एक असाधारण साधारण पुरुष – अमृत□□□ □□□□

अम्लीय वर्षा – विश्वव्यापी खतरा – एक. □□□□□□□□

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. सभी ईकाईयों से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (ब) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी निबंध – गोविन्दलाल छाबड़ा

2. प्रेमचंद : एक □□□□□□ – □□. इन्द्रनाथ मदान

3. हिंदी का आधुनिक यात्रा-साहित्य – डॉ. प्रतापलाल शर्मा

4. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. बाबुराम

5. श्री रामवृक्ष बेनीपुरी – डॉ. रामविलास शर्मा

6. अज्ञेय एक अध्ययन – डॉ. □□□□□□□ □□□

==========

प्रश्नपत्र – 13. भारतीय काव्यशास्त्र Core Course – 13 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1. काव्य–लक्षण, काव्य-□□□, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार ,काव्य-□□, काव्य-□□□□

□□□□ – 2. □□, □□□□□, □□□□, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय, शब्द-शक्ति का परिचय।

□□□□ – 3. निम्नलिखित काव्यालंकारों की परिभाषा, लक्षण और उदाहरण :
शब्दालंकार : श्लेष, □□□, वक्रोक्ति, अनुप्रास
अर्थालंकार : □□□□, रूपक, उत्प्रेक्षा, □□□□□□□, □□□□□□□□, अन्योक्ति ।

□□□□ – 4. निम्नलिखित छंदों की परिभाषा, लक्षण और उदाहरण :
शाब्दिक छंद : दो□□, □□□□, घनाक्षरी, □□□□, छप्पय |
मात्रिक छंद : इन्द्रवज्रा, शार्दुलविक्रीडित, वसंत□□□□, मंदाक्रांता, शिखरिणी ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. □□□□ 1 □□ 2 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मला जैन
2. □□-चिंतन के विविध आयाम – सम्पादक: आनंद प्रकाश दीक्षित
3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना – डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
5. □□-सिद्धांत - □□. नगेन्द्र
6. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र काव्य – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
7. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र – □□. देशराज सिंह भाटी
8. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी

==========

प्रश्नपत्र – 14. A. प्रादेशिक साहित्य - पृथ्वीवल्लभ : Core Course – 14

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : पृथ्वीवल्लभ – कन्हैयालाल मुंशी

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ 1. कन्हैयालाल मुंशी का साहित्यिक परिचय,
गुजराती ऐतिहासिक उपन्यास का विकास : सामान्य परिचय,
'पृथ्वीवल्लभ' क□ □□□□□ – मूल्यांकन,
'पृथ्वीवल्लभ' एक ऐतिहासिक उपन्यास के रूप में।

□□□□ 2. 'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास के मुख्य पात्र – मुं□ □□ □□□□,
'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास के गौण पत्रों का परिचय।

□□□□ 3. 'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास की संवाद-यो□□□, 'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास का अंत,
'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास में देशकाल और वातावरण – योजन□ □

□□□□ 4. 'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास की वर्णन – □□□, 'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास का उद्देश्य,
'पृथ्वीवल्लभ' उपन्यास की सार्थकता।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (ब) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. अर्वाचीन गुजराती साहित्य नो इतिहास : 3-4 (साहित्य परिषद प्रकाशन)
2. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनी विकास रेखा : 1-2 –डॉ. धीरुभाई ठाकर
3. □□□□□□ □□□□□□ : □□□□□ □□□□ – राधेश्याम शर्मा
4. गुजराती नवलकथामा पात्र निरूपण : 2 – □□. □□□ □□□
5. गुजराती साहित्यनो इतिहास – रमेश त्रिवेदी
6. अर्वाचीन गुजरती साहित्य नो इतिह□□ - रमेश त्रिवेदी

==========

□□□□

प्रश्नपत्र – 14. B. प्रादेशिक साहित्य – वळाम□□□: Core Course – 14

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□□- पन्नालाल पटेल

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ 1. पन्नालाल पटेल क□ साहित्यिक परिचय,
□□□□□□ □ □□□□ (□□□□□□) उपन्यास का विकास : सामान्य परिचय,
'□□□□□□□□ □□□□□ – मूल्यांकन, '□□□□□□□□ □□□□□□ उपन्यास के रूप में।

□□□□ 2. '□□□□□□□उपन्यास के मुख्य एवं गौण पत्रों का परिचय |

□□□□ 3. '□□□□□□□उपन्यास की संवाद-योज□□, '□□□□□□□उपन्यास में किसान समाज,
'□□□□□□□उपन्यास में देशकाल और वातावरण – योजना

□□□□ 4. '□□□□□□□उपन्यास की भाषा - शैल□, '□□□□□□□उपन्यास का उद्देश्य,
'□□□□□□□उपन्यास में अहमदाबाद नगरी का वर्णन, 'वळ□□□□उपन्यास की सार्थकता।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. अर्वाचीन गुजराती साहित्य नो इतिहास : 3-4 (साहित्य परिषद प्रकाशन)
2. अर्वाचीन गुजराती साहित्यनी विकास रेखा : 1-2 –डॉ. धीरुभाई ठाकर
3. □□□□□□ □□□□□□ : □□□□□ □□□□□ – राधेश्याम शर्मा
4. गुजराती नवलकथामा पात्र निरूपण : 2 – □□. □□□ □□□
5. गुजराती साहित्यनो इतिहास – रमेश त्रिवेदी
6. अर्वाचीन गुजरती साहित्य नो इतिहास - रमेश त्रिवेदी

==========

9

प्रश्नपत्र – 15. हिंदी भाषा और लिपि Core Course – 15 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई – 1.

वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि , प्राकृत और अपभ्रंश का सामान्य परिचय।
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय।
हिंदी भाषा का उदभव और विकास।

ईकाई – 2.

प्रशासन – व्यवस्था और भाषा, राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति,
भारत की बहुभाषिकता और संपर्क भाषा की आवश्यकता।

ईकाई – 3.

भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य, हिंदी कम्प्यूटीकरण,
हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियाँ।

ईकाई – 4.

राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान :

अ. राजभाषा प्रावधान (अनुच्छेद 343 से 351)
आ. राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960)
इ. राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967)
ई. राजभाषा संकल्प (1968) यथानुमोदित (1991)
उ. राजभाषा नियम 1976

अंक विभाजन –

प्रश्न 1. ईकाई 1, 2, 3 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3 . ईकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. ईकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिदी भाषा का इतिहास -डॉ भोलानाथ तिवारी
2. हिदी भाषा का उद्गम और विकास -उदयनारायण तिवारी
3. राजभाषा हिदी:प्रगति और प्रयाण-सं इकबाल अहमद
4. मानक हिदी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय
5. प्रयोजनपरक हिदी सूर्यप्रसाद दीक्षित-योगेन्द्र प्रताप सिह
6. राजभाषा हिदी कैलाशचंद्र भाटिया
7. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया

===

प्रश्नपत्र-16. प्रयोजनमूलक हिंदी Core Course – 16 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

□□□□ – 1.

प्रयोजनमूलक हिंदीः अभिप्राय □□ उसकी परिव्याप्ति
प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्तियाँ औ□ □□□□प्रयोगात्मक क्षेत्र

□□□□ – 2.

प्रयोजनमूलक हिंदी □□ पारिभाषिक शब्दावली
प्रशासनिक हिंदी □□ उसकी शब्दावली,
प्रशासनिक पत्राचार □□□ □□ □□□□प्रकार |

□□□□ – 3.

संक्षेपण औ□ टिप्पण।

□□□□ – 4.

□. प्रशासनिक □□□□□ :

Accountant, Advisor, Administrator, Announcer, Calculator, Chancellor, Clerk, Collector, Copyist, Editor, Enquiry Clerk, Gate Keeper, Guide, Hostess, In Charge, Inspector, Instructor, Justice, Medical Officer, Peon, Registrar, Surveyor, Translator, Typist, Worker.

□. अनुभागों के नाम :

Department Agriculture, Department Co -Operation, Department Community Development, Department Communications, Department Company Law & Insurance, Department Cottage Industries, Department Economic Affairs, Department Family Planning, Department Food, Department Iron & Steel, Department Light House, Department Legal Affairs, Department Meteorological, Department Port, Department Post & Telegraphs, Department Parliamentary Affairs, Department Printing & Stationery, Department Petroleum, Department Revenue, Department Sales Tax, Department statistics, Department Social Welfare, Department Tourism, Department Transport & Shipping.

□□-□□□□□□ :

प्रश्न 1. 1, 2 □□ 3 ईकाई से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 (□) से एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 1= 07 □□)
□□□□ 4 (□) पदनाम और अनुभागों पर आधारित प्रश्न, दस में से सात नाम लिखने होंगे।
(07 x 1= 07 □□)

संदर्भ पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हि□□□ □□□□□ □□□□अनुप्रयोग-दिनेश गुप्त
2. प्रयोजनमूलक हि□□□-दिनेश गुप्त
3. प्रयोगात्मक औ□ प्रयोजनमूलक हि□□□-दिनेश गुप्त
4. व्यावसायिक संप्रेषण-ड□.अनूपचंद्र □□□□□
5. प्रयोजनमूलक हि□□□ पारिभाषिक शब्दावली त□□ टिप्पण प्रारूपण-डॉ.□□□□□
6. प्रामाणिक आले□□ □□ टिप्पण-प्रो.हि□□□
7. शुद्ध □□□□-□□.□□□□□□ □□□
8. प्रशासनिक प□□□कार्यालयी हि□□-□□.रामप्रकाश प□□□□□.दिनेशकुमार
9. कार्यालयी हि□□ - □□.□□□□□□
10. □□□□□□ □□□□ □□ राजकीय पत्र-व्यवहार-घनश्याम अग्रवाल

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, □□□

तृतीय वर्ष बी. ए. -- Revised

हिंदी भाषा कौशल

सेमिस्टर – VI

(2016 – 2017 , 2017 – 2018, 2018 – 2019 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 6. हिंदी भाषा कौशल - □□□□□□□ : (अनिवार्य) Foundation Course – 06

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : 1. □□□□□□□ (□□□□)- भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1. नाटक के तत्व और प्रकार, '□□□□□□□' □□□□ □□ □□□□□,
'□□□□□□□' में अभिव्यक्त देश की न्याय व्यवस्था पर व्यंग्य।

□□□□ – 2. '□□□□□□□' के पात्र, '□□□□□□□' में संवाद – □□□□□,
'□□□□□□□' में देशकाल और वातावरण, 'अँधे□□□□□' □□ □□□□,
'□□□□□□□' की भाषा - □□□, शीर्षक एवम् उद्देश्य ।

□□□□ – 3. काल भेद और प्रयोग – वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल का सामान्य परिचय,
वाक्य विचार : वाक्य-□□, वाक्य-गठन तथा वाक्य परिवर्तन।

□□□□ – 4. □□-□□□□

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित नाटक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. (□) □□□□ 3 में से एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 □□)

प्रश्न 4. (□) □□□□ 4 में से भूल-सु□□र का प्रश्न (07 x 01 = 07 □□) (10 वाक्यों में से 7)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी व्याकरण – ड□. उमेशचन्द्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
3. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
4. प्रयोग और प्रयोग – व□. □□. जगन्नाथन
5. आधुनिक नाट्य और नाटक – कुँवरजी अग्रवाल
6. हिंदी नाटक : □□ – □□ □□. □□□□ □□□□
7. हिंदी नाटक : □□□□ □□. □□□□ □□□□
8. हिंदी नाटक – □□□ : □□. □□□□ □□□
9. हिंदी नाटक – □□. बच्चन सिंह
10. अँधेर नगरी संवेदना और शिल्प – सिद्धनाथ कुमार

===

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, □□□□

तृतीय वर्ष बी. ए. -- Revised

हिंदी : सेमिस्टर – VI

(2016 – 2017 , 2017 – 2018, 2018 – 2019 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र-17. A. □□□□□□□□□ □□□□□ - □□□□□□ □□□□ □□□ : Core Course –17

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□□ □□□□ □□□- □□□.अम्बिकाचरण शर्मा-विश्वम्भर 'अरुण'

(प्रकाशक-रंजन प्रकाशन, □□□□□□□□□, सिटी स्टेशन मार्ग, आगरा□-3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□-सीमा और प्रमुख विशेषताएँ।
रीतिसिद्ध काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताएँ , बिहारी का साहित्यिक परिचय।

□□□□ – 2.

हिंदी सतसई परंपरा और उसमें 'बिहारी □□□□' का स्थान।
□□□□□□: एक सफल मुक्तककार, '□□□□□□ □□□□' में विरह-वर्णन।

□□□□ – 3.

'□□□□□□ □□□□' में नीति, बिहारी की बहुज्ञता, '□□□□□□ □□□□' में प्रकृति-चित्रण |

□□□□ – 4.

बिहारी की भाषा-शैली , बिहारी की भक्ति-भाव□□ □

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का □□□□□□. □□.नगेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का □□□□□□-□□.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. हिंदी साहित्य का □□□□□□-रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का □□□□ □□□□□□-□□.बच्चन □□□
5. □□□□□□□□□ साहित्य को□-□□□□□□□ □□□
6. □□□□□□□□□ मूल्यांकन-□□.हरिचरण शर्मा
7. □□□□□□ रत्नाकर-जगन्नाथदास रत्नाकर

==========

□□□□

प्रश्नपत्र-17. B. □□□□□□□□□ □□□□□ – रामचंद्रिका Core Course –17

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : □□□□ – □□□ : □□□□□ – □□. विजयपाल सिंह (राजपाल एन्ड संस , दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□ – 1.

□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□-सीमा और प्रमुख विशेषताएँ ।

रीतिबद्ध काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताएँ , कवि आचार्य केशवदास का साहित्यिक परिचय ।

□□□□ – 2.

'□□□चंद्रिका' का काव्यरूप एवं कथानक, 'रामचंद्रिका' के मुख्य पात्र – □□□ □□ □□□,

'रामचंद्रिका' के गौण पात्र – □□□□ , लक्ष्मण और रावण, 'रामचंद्रिका' का भावपक्ष |

□□□□ – 3.

'रामचंद्रिका' में प्रकृति-चित्रण, 'रामचंद्रिका' में संवाद - यं□□□ |

□□□□ – 4.

'रामचंद्रिका' की भाषा-शै□□ , 'रामचंद्रिका' में हास्य – व्यंग्य |

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (□) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का □□□□□□. □□.नगेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का □□□□□□-□□.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंद साहित्य का □□□□-□-□ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का □□□□□□-रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी साहित्य का □□□□ □□□□□□-□□.बच्चन □□□
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इ□□□□-□-□ -□□.गणपतिचंद्र गुप्त
8. □□□□□□□□ साहित्य को□-□□□□□□□ □□□
9. रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि – रामफेर त्रिपाठी
10. भक्ति और रीतिकालीन हिंदी मुक्तक काव्य – जितेन्द्र पाठक

प्रश्नपत्र-18. A. हिंदी उपन्यास – □□□□□□ Core Course – 18

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक - □□□□□□-नागार्जुन (किताब महल, इ□□□□□□□)

□□□□-1. नागार्जुन का सामान्य परिचय ,

आँचलिक उपन्यासः शब्द, परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएँ,

'□□□□□□' उपन्यास का कथानक-मूल्यांकन,

'□□□□□□' एक आँचलिक उपन्यास के रूप में।

□□□□- 2

'□□□□□□'' उपन्यास का नायक,

'□□□□□□' उपन्यास के मुख्य पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ,

'□□□□□□' उपन्यास के मुख्य घटना प्रसंग, 'बलच□□□' उपन्यास में चित्रित समस्या ।

□□□□- 3

'□□□□□□' उपन्यास के गौण पात्र, 'ब□□□□□' उपन्यास में संवाद,

'□□□□□□' उपन्यास में वातावरण-यो□□□□

□□□□- 4

'□□□□□□'' उपन्यास की भाषा-शै□□, '□□□□□□' उपन्यास का उद्देश्य,

'□□□□□□' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (□) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.□□.रामदरश मिश्र- डॉ.ज्ञानचंद गुप्त (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गो□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
3. आंचलिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.न□□□□ □□ (अक्षर प्रकाशन, दिल्ली)
4. उपन्यास का स्वरूप-डॉ.शशिभूषण सिंहल (आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली-53)
5. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में कृषक-जीवन-डॉ.उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, रो□□□)
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का स्वरूप- डॉ.मृत्युंजय उपाध्याय
7. हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
8. नागार्जुन-सं□□.□□शचंद्र त्यागी, आशिर प्रकाशन, □□□□□□□
9. हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गो□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
10. □□□□ नागार्जुन-सं□□.नरेन्द्र □□□□□
11. हिंदी उपन्यास-□□□□□□ □□□□□-□□□.□□□□□□ □□□
12. नागार्जुन का उपन्यास साहित्य-सम□□□□□□ संदर्भ-डा.□□□ □□□□

==

प्रश्नपत्र-18. B. हिंदी उपन्यास – गिरती दीवारें : Core Course – 18

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक - गिरती दीवारें (संक्षिप्त) – उपेन्द्रनाथ अश्क

(राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्-

□□□□ – 1.

उपेन्द्रनाथ अश्क का सामान्य परिचय,
उपन्यासः शब्द, परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएँ,
'गिरती दीवारें' का व□□□□-मूल्यांकन, 'गिरती दीवारें' में मध्यवर्गीय जीवन का चित्रण।

□□□□ – 2.

'गिरती दीवारें' के मुख्य पात्र- □□□, □□□□□□, □□□□□□, शेठ फकीरचंद।

□□□□ – 3.

'गिरती दीवारें' के गौण पात्र, 'गिरती दीवारें' में संवाद एवम् वात□□□□-□□□□□

□□□□ – 4.

'गिरती दीवारें' की भाषा-शै□□, 'गिरती दीवारें' का उद्देश्य।
'गिरती दीवारें' शीर्षक की सार्थकता।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्र॰ 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गो□□□□□□ (राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि.नई दिल्ली)
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास – सामाजिक विघटन और औपन्यासिक प्रतिफल – डॉ. मंजुल गोय□
3. उपन्यास का स्वरूप – डॉ. शशी भूषण सिंहल (आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली- 53)
4. कुछ और गद्य रचनाएँ : शमशेरबहादुर सिंह
5. अठारह उपन्यास – राजेन्द्र यादव (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि.नई दिल्ली)
7. हिन्दी के चर्चित उपन्यास – डॉ. भगवती शरण मिश्र (राजपाल एन्ड साँस, नई दिल्ली)

==========

16

प्रश्नपत्र : 19. पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत Core Course – 19 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई 1.

साहित्यः परिभाषा, साहित्य और समाज , कविताः परिभाषा, कविता तत्व,
कविताः प्रकार (प्रबंध, प्रगीत , मुक्तक आदि के भेदोपभेद)

ईकाई 2.

समालोचनाः स्वरूप, समालोचनाः प्रकार, आलोचक केगुण
उपन्यासः परिभाषा. तत्त्व और प्रकार , नाटकः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार ।

ईकाई 3.

कहानीः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार, निबंधः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।
जीवनी आत्मकथा का परिचय |

ईकाई 4.

हिंदी के प्रमुख आलोचकों का परिचयात्मक अध्ययन एवम्योगदान :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,
डॉ नंददुलारेवाजपेयी , डॉ रामविलास शर्मा,

अंक विभाजन –

प्रश्न 1. ईकाई 1, 2,और 3 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3 . ईकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. ईकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. पाश्चात्य साहित्य-चितन - सं निर्मला जैन
2. हिदी आलोचना की बीसवीं सदी निर्मला जैन
3. रस -चितन केविविध आयाम - सं ानंदप्रकाश दीक्षित
4. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिदी आलोचना डॉ रामचंद्र तिवारी
5. भारतीय काव्यशास्र की भूमिका डॉ नगेन्द्र
6. रस -सिद्धांत- डॉ नगेन्द्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्र - डॉ भगीरथ मिश्र
8. साहित्य के मुख पक्ष- डॉ राममूर्ति त्रिपाठी
9. भारतीय एवम् श्चात्य काव्य -सिद्धांत- डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
10. माक्र्सवादी,समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना डॉ शशिभूषण पांडेय
11. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली- पी वासवदत्ता
12. हिदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
13. भारतीय एवम् श्चात्य काव्यशास्र - डॉ विजयपाल सिह

===

प्रश्नपत्र : 20. A. **प्रादेशिक साहित्य – कुँवर□□□ □मामेरू** : Core Course – 20

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : कुंवरबाई नुं मामेरू - प्रेमानंद

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ - 1.

प्रेमानंद का साहित्यिक परिचय,

□□□□□□ आख्यानक काव्य का स्वरूप, विका□ □□ □□□□□□□□,

'कुंवरबाईनुं मामेरू' के कथानक का मूल्यांकन।

□□□□ - 2.

'कुंवरबाईनुं मामेरू' : एक सफल आख्यानक काव्य,

'□□□□□□□□मामेरू' के मुख्य पात्र, 'कुंवरबाईनुं मामेरू' में रस - सृष्टि।

□□□□ - 3.

'कुंवरबाईनुं मामेरू' में संवाद-यो□□□□, 'कुंवरबाईनुं मामेरू' में गौण-पात्र,

'कुंवरबाईनुं मामेरू' में भावात्मकता, 'कुंवरबाईनुं मामेरू' का आरम्भ और अंत,

'कुंवरबाईनुं मामेरू' में पि□□ – पुत्री का मिलन |

□□□□-4.

'कुंवरबाईनुं मामेरू' □□□□-□□□, 'कुंवरबाईनुं मामेरू' का उद्देश्य,

'कुंवरबाईनुं मामेरू' में ददिया सास की सूचि, 'कुंवरबाईनुं मामेरू' शीर्षक की सार्थकता।

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित आख्यान से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – **एक टिप्पणी का प्रश्न (अ)** □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. **प्राचीन गु□□□□□ साहित्यनो इति□□□-□ (साहित्य परिषद प्रकाशन)**

2. **मध्यकालीन गु□□□□□ साहित्यनो इति□□□-□ (साहित्य परिषद प्रकाशन)**

3. **प्रेमानंदः ए□ □□□□□□□□-□□□ शुक्ल**

4. **□□□□□□ साहित्यनो इति□□□- □□□ त्रिवेदी**

==

18

प्रश्नपत्र : 20. B. प्रादेशिक साहित्य – ओखा□□□: Core Course – 20

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : ओखाहरण **- प्रेमानंद**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई - 1.

प्रेमानंद का साहित्यिक परिचय,
गुजराती **आख्यानक काव्य का स्वरूप,** विकास और विशेषताएँ ,
'ओखाहरण ' के **कथानक का मूल्यांकन।**

ईकाई - 2.

'ओखाहरण ' **: एक सफल आख्यानक काव्य,** 'ओखाहरण ' **के मुख्य पात्र,**
'ओखाहरण ' **में रस - सृष्टि ।**

ईकाई - 3.

'ओखाहरण ' **में संवाद-योजना** , 'ओखाहरण ' **में गौण -पात्र**, 'ओखाहरण ' **का आरम्भ और अंत |**

ईकाई -4.

'ओखाहरण ' **की** भाषा शैली , 'ओखाहरण ' **का उद्देश्य,** 'ओखाहरण ' **शीर्षक की सार्थकता ।**

अंक विभाजन –

प्रश्न 1. **पठित आख्यान से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न** (**कोई विकल्प नहीं देना है**) (**05 x** 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3 . ईकाई 1 और 2 से एक – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x** 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. ईकाई 3 और 4 से एक – **एक टिप्पणी का प्रश्न (**अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. **प्राचीन** गुजराती **साहित्यनो** इतिहास -□ **(साहित्य परिषद प्रकाशन)**
2. **मध्यकालीन** गुजराती **साहित्यनो** इतिहास -□ **(साहित्य परिषद प्रकाशन)**
3. **प्रेमानंदः** एक समालोचना रमेश **शुक्ल**
4. गुजराती **साहित्यनो** इतिहास - रमेश **त्रिवेदी**

==

प्रश्नपत्र – 21. हिंदी व्याकरण : Core Course – 21 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1.

शब्द की परिभाषा तथा व्युत्पत्ति, अर्थ, रचना एवम् प्रयोग की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण |

□□□□ – 2.

संज्ञाः परिभाषा एवम् भेद, सर्वनाम : परिभाषा एवम् भेद |

□□□□ – 3.

विशेषण की परिभाषा एवम् प्रकार, क्रिया की परिभाषा एवम् प्रकार |

□□□□ – 4.

□□□ □□ **परिचय , कारक का परिचय।**

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. □□□□ 1, 2 □□ 3 **से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05** x 2 = 10 □□)
प्रश्न 2. □□□□ 1 □□ 2 **से एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x** 01 = 13 □□)
प्रश्न 3 . □□□□ 3 □□ 4 **से एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 01 = 13 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 1 - 2 **से एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ**□
□□□□ 3 - 4 **से एक टिप्पणी का प्रश्न (ब)** (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. □□□□ **व्याकरण -** □**कामताप्रसाद गु**□(□□□□□ **प्रचारिणी सभा, व**□□□)
2. □□□□ **व्याकरण ग**□□□□□ - □□□□□□□ **शर्मा**
3. **व्यावहारिक हिंदी व्याकरण - डॉ.ह**□□□ □□□□□(**लोकभारती प्रकाशन, इ**□□□□□□□)
4. **हिंदी रूप-**□□□□ □□□ : 1-2 (**लोकभारती प्रकाशन, इ**□□□□□□□)

==

20

प्रश्नपत्र - 22. प्रयोजनमूलक हिंदी Core Course - 22 (Total Marks – 50 ; Credits o3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

ईकाई – 1.

हिंदी में मीडिया लेखन , जनसंचार - **माध्यमः अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार,**
जनसंचार - **माध्यमों के प्रकार।**

ईकाई – 2.

वैज्ञानिक, तकनीकी एवम् **प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हिंदी, हिंदी अनुप्रयोग में** अनुवाद **की भूमिका।**
अनुवाद **की** अवधारणा । **अनुवाद का महत्व और विभिन्न सिद्धांत ।**

ईकाई – 3.

हिंदी का **वैज्ञानिक** एवम् **तकनीकी रूप, हिंदी की विशेषताएँ या गुण ,**
हिंदी के संवर्धन में प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका।

ईकाई – 4.

समाचार -लेखन और **हिंदी,** संवाद -लेखन और **हिंदी,**
रेडियो लेखन और **हिंदी, विज्ञापन-**लेखन

अंक विभाजन –

प्रश्न 1. **सभी ईकाईयों से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x** 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3 . ईकाई 1 और 2 से एक – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. ईकाई 3 और 4 से एक – **एक टिप्पणी का प्रश्न (**अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. अनुवाद -बोध - डॉ **गार्गी गुप्त**
2. अनुवाद -**विज्ञान-** डॉ भोलानाथ तिवारी
3. जनसंचारःविविध आयाम - **ब्रजमोहन गुप्त**
4. मीडिया और **साहित्य-** सुधीश पचौरी
5. **व्यावहारिक** अनुवाद - डॉ एन .ई .**विश्वनाथ** ऐयर
6. **प्रयोजनपरक हिंदी- प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित** एवम्डॉ **योगेन्द्र प्रताप** सिह
7. **प्रयोजनमूलक** हिंदीः विविध आयाम - माया सिह
8. **प्रयोजन** मूलक **हिंदी** का **अध्ययन-** डॉ सुशीला **गुप्ता**

==